न्यायालय राजस्व मण्डल म.प्र., ग्वालियर

प्र.कं. /2010 रेस्टोरेशन Pliss - 1819 - PBR/2010

श्रीमती मायापाल पत्नी श्री महेन्द्र कुमार
पाल निवासी – रेन बसेरा के सामने
कृष्णगंज वार्उ, गोपालगंज सागर जिला
सागर (म.प्र.) . ..... आवेदक

विरूद्ध

म.प्र. शासन द्वारा कलेक्टर ऑफ स्टांप
सागर, जिला सागर (म.प्र.) ... अनावेदक

31.12.10

पुर्नस्थापना (रेस्टोरशेन) आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 32 म.प्र. भू. राजस्व संहिता 1959

माननीय महोदय,

आवेदक का निम्नानुसार निवेदन है कि –

1– यह कि, आवेदक ने माननीय न्यायालय के समक्ष अपील प्रस्तुत की थी जिसका प्रकरण कं. 01/।।।/09 अपील पंजीबद्ध होकर पेशी 7.12.10 को प्रकरण कायमी सुनवाई हेतु नियत था ।

2– यह कि, दिनांक 7.12.10 की पेशी कायमी तर्क हेतु नियत थी। आवेदक का प्रकरण सुनवाई लिस्ट में प्रारंभ में लगा था । आवेदक अभिभाषक अन्य न्यायालय में तर्क कर रहे थे इस कारण उक्त प्रकरण की पुकार के समय उपस्थित नहीं हो सके। जब आवेदक अभिभाषक माननीय न्यायालय की कोर्ट में आये तब श्रीमान प्रकरणों की सुनवाई कर रहे थे। आवेदक अभिभाषक अपने प्रकरण की सुनवाई के इंतजार में बैठे रहे । श्रीमान प्रकरणों की सुनवाई कर उठ गये तब रीडर से सम्पर्क किया तो मेरे प्रकरण की सुनवाई का नम्बर क्यों नहीं आया तक कोर्ट रीडर द्वारा बताया गया कि आपके प्रकरण की सुनवाई का नम्बर प्रांरभ में ही आ गया था आप पुकार के समय उपस्थित नहीं थे इस कारण साहब ने उसी समय अनुपस्थिति में खारिज करने का अदोश कर दिया था।

कं.....2

14-10-14	आवे. आवेदक श्री मुकेश भार्गव उप. उन्हें रेस्टोरेशन पर सुना। रेस्टोरेशन प्रकरण में सुनवाई के पर्याप्त आधार होने से रेस्टोरेशन प्रकरण स्वीकार करते हुये मूल प्रकरण क्र. अ. 101-III/09 पुनः नम्बर पर लिया जाता है। इस प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष नहीं होने से यह प्रकरण समाप्त किया जाता है।
	प्रशा० सदस्य

31.2010